SAMPLE CONTENT

PRO LinGO

हिंदी (LL)

व्याकरण व शब्दसंपदा

बोर्ड की नई कृतिपत्रिका प्रारूप के अनुसार

हिंदी व्याकरण के संपूर्ण अभ्यास हेतु उपयुक्त **Workbook**

चंद्रभूषण शुक्ल
B.Ed, B.M.M.- Journalism

ज्योति नाविक
M.A., B.Ed.

कक्षा दसवीं

Target Publications® Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे - ०४ द्वारा
अद्ययावत पाठ्यपुस्तक पर आधारित

हिंदी (LL)

व्याकरण व शब्दसंपदा

कक्षा दसवीं

विशेषताएँ

- निर्धारित कृतिपत्रिका प्रारूप पर आधारित
- व्याकरण विभाग के साथ ही शब्दसंपदा के सभी घटकों का समावेश
- व्याकरण व शब्दसंपदा के सभी घटकों का विस्तृत व सरल भाषा में विवेचन
- व्याकरण व शब्दसंपदा के सभी घटकों का अधिकाधिक अभ्यास
- उत्तर लिखने हेतु पर्याप्त जगह
- स्वयं मूल्यांकन हेतु प्रत्येक अभ्यास के उत्तरों का समावेश
- मार्च (२०१९, २०२०, २०२२ व २०२३), जुलाई (२०१९, २०२३) तथा दिसंबर (२०२०) बोर्ड कृतिपत्रिकाओं के व्याकरण का समावेश
- ज्ञानवर्धन हेतु 'यह भी जानें' व 'ज्ञान-कुंभ' के माध्यम से दिशानिर्देश
- विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु कृतिपत्रिका प्रारूप का समावेश

Sample Content

Printed at: **India Printing Works,** Mumbai

© *Target Publications Pvt. Ltd.*
No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

Balbharati Registration No.: 2018MH0022

TEID: 3292

P.O. No. 11003

प्रस्तावना

प्यारे विद्यार्थियों!

शिक्षा के इस नए पड़ाव पर आप सभी का हार्दिक स्वागत है। शैक्षणिक वर्ष की इस नई शुरुआत के साथ ही आप सभी के मन में संभावित भविष्य को लेकर चिंता व चिंतन का बढ़ना स्वाभाविक है। खासकर जब बात हिंदी व्याकरण की होती है, तो चिंता बढ़ ही जाती है। विद्यार्थियों की इसी चिंता को दूर करने के लिए टार्गेट पब्लिकेशंस द्वारा **हिंदी (LL) व्याकरण व शब्दसंपदा: कक्षा दसवीं** पुस्तिका का निर्माण किया गया है। इसकी सहायता से विद्यार्थी अपना व्याकरण संबंधी भय दूर कर सकेंगे और मनचाहा परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।

यह सर्वविदित है कि भाषा यदि शरीर है, तो व्याकरण उसकी आत्मा है। अत: व्याकरण के बिना भाषा की सुंदरता व समृद्धि संभव नहीं है। भाषा को पूर्णतया समझने और उसका आनंद उठाने के लिए व्याकरण का ज्ञान होना अति आवश्यक है। व्याकरण के इसी महत्त्व को ध्यान में रखते हुए शिक्षण मंडळ द्वारा कक्षा दसवीं की बोर्ड कृतिपत्रिका प्रारूप में भाषा अध्ययन अर्थात व्याकरण का एक स्वतंत्र विभाग निर्मित किया गया है। इसके साथ ही कृतिपत्रिका में दिए गए गद्य व पद्य में भी शब्दसंपदा के रूप में व्याकरण से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं।

विद्यार्थी व्याकरण की पूर्ण तैयारी कर सकें, इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस पुस्तिका का निर्माण किया गया है। इस पुस्तिका को दो भागों क्रमश: व्याकरण व शब्दसंपदा के रूप में विभाजित किया गया है। व्याकरण विभाग में उन सभी घटकों का समावेश किया गया है, जो बोर्ड की कृतिपत्रिका में भाषा अध्ययन (व्याकरण) विभाग के अंतर्गत पूछे जाते हैं। वहीं दूसरे विभाग में शब्दसंपदा के अंतर्गत आने वाले सभी घटकों को शामिल किया गया है। इस पुस्तिका में विभिन्न घटकों को बहुत ही सरलता से समझाया गया है। इसके साथ ही पूर्ण अभ्यास हेतु स्वाध्याय कृतियाँ व व्याकरण विभाग में बोर्ड कृतियाँ दी गई हैं। उत्तर लिखने हेतु यहाँ पर्याप्त जगह दी गई है। विद्यार्थियों के स्वयं मूल्यांकन हेतु सभी अभ्यासों के उत्तर भी दिए गए हैं। इस पुस्तिका के अध्ययन से विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन होने के साथ ही उनका मनोबल बढ़ना निश्चित है, जो किसी भी परीक्षा के लिए बहुत ही आवश्यक है।

शैक्षणिक वर्ष में हिंदी व्याकरण की समुचित तैयारी हेतु निर्मित गागर में सागर यह पुस्तिका आप सभी सुधी जनों के हाथों में सौंपते हुए हमें अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि यह विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी व ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी और उनका सही दिशा में मार्गदर्शन करेगी।

पुस्तिका की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए सभी अमूल्य सुझाव आमंत्रित हैं। हमारा ई-मेल पता **mail@targetpublications.org** है।

उज्ज्वल भविष्य हेतु ढेरों शुभकामनाएँ!

प्रकाशक

संस्करण: दूसरा

Disclaimer

This reference book is transformative work based on 'हिंदी लोकभारती; प्रथमावृत्ति: २०१८, पाँचवाँ पुनर्मुद्रण: २०२३' published by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

Sample Content

अनुक्रमणिका

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ
	व्याकरण	
	कृतिपत्रिका का प्रारूप	१
	कृतिपत्रिका प्रारूप का विस्तारित विवेचन	
१.	शब्दभेद	२
२.	अव्यय	८
३.	संधि	१३
४.	क्रिया	२०
५.	मुहावरे	२७
६.	कारक	३२
७.	विरामचिह्न	३६
८.	काल	४२
९.	वाक्य के प्रकार	४६
१०.	वाक्य शुद्धीकरण	५१
	शब्दसंपदा	५५
११.	समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द	५६
१२.	विरुद्धार्थी (विलोम) शब्द	५९
१३.	उपसर्ग	६३
१४.	प्रत्यय	६६
१५.	लिंग	६९
१६.	वचन	७३
१७.	शब्द-युग्म	७७
१८.	समरूप भिन्नार्थक शब्द	८०
१९.	तत्सम-तद्भव/देशी-विदेशी	८३
२०.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	८६
२१.	अनेकार्थी शब्द	८८
	उत्तर	९१

Sample Content

उपयोजित लेखन में पूर्णांक प्राप्त करने हेतु टार्गेट के **"हिंदी उपयोजित लेखन"** पुस्तक का अधिकाधिक अभ्यास करें। अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

व्याकरण

SampleContent

कृतिपत्रिका का प्रारूप – विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र.४ सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: १४ अंक

१. शब्दभेद– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण पहचानना (१ घटक, १ अंक) १ अंक
२. दो अव्यय शब्दों में से किसी एक शब्द का वाक्य में प्रयोग करना (१ घटक, १ अंक) १ अंक
३. संधि (दो में से कोई एक पहचानना, विच्छेद करना, संधि शब्द बनाना) (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) १ अंक
४. दो में से कोई एक सहायक क्रिया पहचानना तथा उसका मूल रूप लिखना (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) १ अंक
५. दो में से किसी एक प्रेरणार्थक क्रिया का प्रथम तथा द्‌वितीय रूप लिखना (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) १ अंक
६. मुहावरे का चयन अथवा मुहावरे का अर्थ और वाक्य में प्रयोग करना १ अंक
७. कारक– पहचानना और भेद लिखना (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) १ अंक
८. विरामचिह्न– वाक्य में प्रयोग (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) १ अंक
९. तीन में से दो वाक्यों का काल परिवर्तन (२ घटक, प्रत्येक के लिए १ अंक) २ अंक
१०. वाक्य के भेद २ अंक
   i. रचना के आधार पर वाक्य का भेद पहचानना (१ घटक, १ अंक)
   ii. अर्थ के आधार पर वाक्य परिवर्तन करना (१ घटक, १ अंक)
११. वाक्य शुद्‌ध करना (४ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक, दो वाक्य, प्रत्येक वाक्य में दो अशुद्‌धियाँ) २ अंक

[महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे - ०४]

कृतिपत्रिका प्रारूप का विस्तारित विवेचन – विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र.४ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: १४ अंक

बोर्ड की कृतिपत्रिका में **प्र. ४** व्याकरण की कृतियों पर आधारित होगा, जो **कुल १४ अंकों** के लिए पूछा जाएगा। यहाँ पाँचवीं कक्षा से नौवीं कक्षा तक के व्याकरण का भी समावेश किया जाएगा।

- व्याकरण पर आधारित यहाँ कुल ११ कृतियाँ पूछी जाएँगी, जिनके विवरण निम्नलिखित हैं:

१ - शब्दभेद:- यहाँ संज्ञा, सर्वनाम व विशेषण को **पहचानना** होगा। **१ अंक**

२ - अव्यय:- यहाँ अव्यय का **वाक्य में प्रयोग करना** होगा। यहाँ विकल्प होगा। **१ अंक**

३ - संधि:- यहाँ संधि **शब्द बनाना**, उसका **विच्छेद करना** और उसका **भेद लिखना** होगा। यहाँ विकल्प होगा। **१ अंक**

४ - सहायक क्रिया :- यहाँ सहायक क्रिया **पहचानकर** उसका मूल रूप लिखना होगा। यहाँ विकल्प होगा। **१ अंक**

५ - प्रेरणार्थक क्रिया:- यहाँ क्रिया का **प्रथम** व **द्‌वितीय** प्रेरणार्थक रूप लिखना होगा। यहाँ विकल्प होगा। **१ अंक**

६ - मुहावरे:- यहाँ मुहावरे का **अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग** अथवा **वाक्यांश में उचित मुहावरे का प्रयोग** करना होगा। **१ अंक**

७ - कारक:- यहाँ कारक **पहचानकर** उसका **भेद** लिखना होगा। **१ अंक**

८ - विरामचिह्न: - यहाँ वाक्य में उचित विरामचिह्नों का **प्रयोग** करना होगा। **१ अंक**

९ - काल:- यहाँ निर्देश के अनुसार **काल परिवर्तन** करना होगा। यहाँ विकल्प होगा। **२ अंक**

१० - वाक्य-भेद:- यहाँ **रचना** व **अर्थ** के अनुसार क्रमश: वाक्य का **भेद लिखना** व **परिवर्तन करना** होगा। **२ अंक**

११ - वाक्य शुद्‌धीकरण:- यहाँ वाक्यों में दी गई गलतियों को **सुधारकर** लिखना होगा। **२ अंक**

Sample Content

१ शब्दभेद

वर्णमाला की सबसे छोटी इकाई को ध्वनि कहते हैं। ध्वनि से ही शब्दों का निर्माण होता है। कुछ शब्द सार्थक होते हैं, तो कुछ निरर्थक होते हैं। प्रयोग के आधार पर शब्द के दो मुख्य भेद बताए गए हैं, जिनमें सव्यय (विकारी शब्द) और अव्यय (अविकारी शब्द) का समावेश होता है।

सूचना: दसवीं कक्षा की बोर्ड की कृतिपत्रिका प्रारूप व परीक्षा के अनुसार विद्यार्थियों से शब्दभेद के अंतर्गत संज्ञा, सर्वनाम व विशेषण की पहचान करना अपेक्षित है। यहाँ उनके भेद बताना अपेक्षित नहीं है। अत: बोर्ड परीक्षा को ध्यान में रखते हुए इस पाठ का निर्माण किया गया है। क्रिया व अव्यय (अविकारी शब्द) से संबंधित आगे अन्य पाठों की रचना की गई है, जिसमें उन्हें अलग-अलग विस्तारित रूप से समझाया गया है।

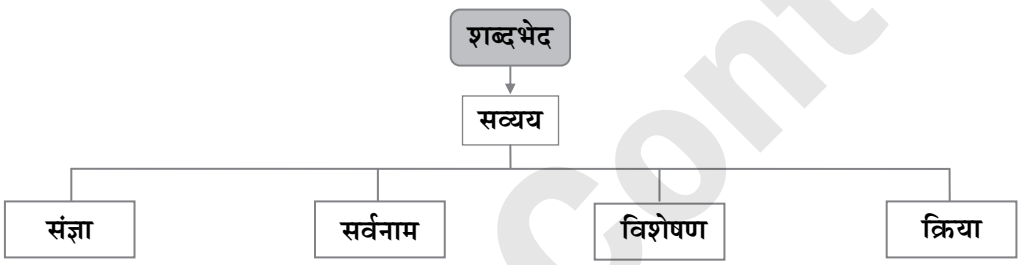

सव्यय: जिस शब्द के रूप में लिंग, वचन और कारक के द्‌वारा परिवर्तन होता है अर्थात उसका रूप बदलता रहता है, उसे सव्यय कहते हैं। इसे विकारी शब्द भी कहा जाता है। उदाहरण के रूप में लड़का, कपड़ा, बच्चा, गेंद इत्यादि।

सव्यय (विकारी शब्द) के भेद

१ **संज्ञा:** किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं। उदाहरण के तौर पर हिंदुस्तान, सैनिक, किताब, गुच्छा, पंखा इत्यादि।

संज्ञा के भेद

i. व्यक्तिवाचक संज्ञा ii. जातिवाचक संज्ञा iii. भाववाचक संज्ञा iv. द्रव्यवाचक संज्ञा
v. समूहवाचक संज्ञा

व्यक्तिवाचक संज्ञा जिस संज्ञा से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का बोध होता है, उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं। जैसे – सोनिया, रानी, हिमालय, वारणासी, हिंदुस्तान, रूस, गंगा, जमुना इत्यादि।

उदाहरण:
- श्याम घूमने जा रहा है।
- अमेरिका ने हमला कर दिया।
- हम विंध्याचल ज रहे हैं।
- रजनी खाना बना रही है।

जातिवाचक संज्ञा जिस संज्ञा से किसी एक जाति अथवा वर्ग के सभी प्राणियों व वस्तुओं का बोध होता है, उसे 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं। जैसे – नदी, मकान, इमारत, पुस्तक, कलम, मेज, पशु, पक्षी इत्यादि।

उदाहरण:
- गाड़ी आज आ रही है।
- कुर्सी टूट गई है।
- ज्वालामुखी फट गया है।
- घर सुंदर है।

Sample Content

भाववाचक संज्ञा जिस संज्ञा से किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के गुण, दोष, स्वभाव, धर्म आदि का बोध होता है, उसे 'भाववाचक संज्ञा' कहते हैं। जैसे – मानवता, लड़कपन, दासत्व, अपनत्व, अध्यापन इत्यादि।

उदाहरण:
- बुढ़ापा आ गया है।
- आज से गर्मी शुरू हो गई है।
- मित्रता बहुत बड़ी पूँजी है।
- मानवता होनी जरूरी है।

द्रव्यवाचक संज्ञा जिस संज्ञा शब्द से द्रव्य, धातु, ठोस, तरल पदार्थ आदि का बोध होता है, उसे 'द्रव्यवाचक संज्ञा' कहते हैं। जैसे – ताँबा, पीतल, चाँदी, स्टील, घी, चावल, गेहूँ इत्यादि।

उदाहरण:
- सोना बहुत महँगा हो गया है।
- वह पानी भरने के लिए जा रही है।
- लोहे को जंग लग गया।
- तेल गिर गया है।

समूहवाचक संज्ञा जिस संज्ञा शब्द से किसी समूह का बोध होता है, उसे 'समूहवाचक संज्ञा' कहते हैं। जैसे – भीड़, जनता, समूह, मंडल इत्यादि।

उदाहरण:
- डाकुओं का गिरोह आ रहा है।
- फूलों का गुच्छा बहुत सुंदर है।
- आज की सभा में सभी मौजूद थे।
- राजू कक्षा में पढ़ रहा है।

२ सर्वनाम: संज्ञा के स्थान पर प्रयोग में लाए जाने वाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं। उदाहरण के तौर पर मैं, तुम, वह, कौन इत्यादि।

सर्वनाम के भेद

i. पुरुषवाचक सर्वनाम
ii. निश्चयवाचक सर्वनाम
iii. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
iv. निजवाचक सर्वनाम
v. प्रश्नवाचक सर्वनाम
v. संबंधवाचक सर्वनाम

पुरुषवाचक सर्वनाम जिस व्यक्ति के विषय में बोला या लिखा जाता है, उसके नाम के बदले में आने वाले सर्वनाम शब्द को 'पुरुषवाचक सर्वनाम' कहते हैं। जैसे – मैं, तुम, वह इत्यादि।

पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद हैं:

क. प्रथम पुरुष: जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग वक्ता अपने लिए करता है, उसे 'प्रथम पुरुष' कहते हैं। जैसे – मुझे, हम, मैं इत्यादि।

उदाहरण:
- मैं खेलने जा रही हूँ।
- हम कल घूमने जाएँगे।

ख. मध्यम पुरुष: जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग श्रोता के लिए किया जाता है, उसे 'मध्यम पुरुष' कहते हैं। जैसे – तुम, तुम्हें, तुझे, आप इत्यादि।

उदाहरण:
- तुम यहाँ से चले जाओ।
- आप अपना कमरा साफ कर लीजिए।

ग. अन्य पुरुष: जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग किसी तीसरे व्यक्ति के लिए किया जाता है, उसे 'अन्य पुरुष' कहते हैं। जैसे – ये, वे, वह, उसे, उन्हें इत्यादि।

उदाहरण:
- वह दुखी था।
- वे भाग गए हैं।

निश्चयवाचक सर्वनाम जिस सर्वनाम से किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु का बोध होता है, उसे 'निश्चयवाचक सर्वनाम' कहते हैं। जैसे – यह, वह, ये, वे इत्यादि।

उदाहरण:
- वह चने की सब्जी है।
- यह मेरा कुत्ता है।
- वह राम का मकान है।
- वे सीता के खिलौने हैं।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम जिस सर्वनाम से किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु का बोध न हो, उसे 'अनिश्चयवाचक सर्वनाम' कहते हैं। जैसे – कोई, कुछ इत्यादि।

उदाहरण:
- कुछ दिखाई दे रहा है।
- कोई हमारी तरफ ही चला आ रहा है।
- उसने कमरे में कुछ देखा।
- कोई मैदान में खेल रहा है।

Sample Content

निजवाचक सर्वनाम जिस सर्वनाम शब्द के प्रयोग से निजत्व या अपनेपन का बोध होता है, उसे 'निजवाचक सर्वनाम' कहते हैं। जैसे – अपने आप, स्वयं, स्वत:, खुद इत्यादि।

उदाहरण:
- वह खुद को कमरे में बंद कर रहा है।
- रमेश अपने-आपको बहुत शक्तिशाली समझता है।
- मैं स्वयं उस घर की निगरानी करूँगा।
- अरुण अपने आप यह काम कर लेगा।

प्रश्नवाचक सर्वनाम जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि के बारे में प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है, उसे 'प्रश्नवाचक सर्वनाम' कहते हैं। जैसे – कौन, किसने, क्या इत्यादि।

उदाहरण:
- कौन आ रहा है?
- किसने मेरी नींद खराब करने की गुस्ताखी की है?
- जमीन पर क्या गिरा है?
- किसने मेरा कुत्ता चुराया है?

संबंधवाचक सर्वनाम वे सर्वनाम शब्द जो एक शब्द या वाक्य का दूसरे शब्द या वाक्य से संबंध जोड़ते हैं, उन्हें 'संबंधवाचक सर्वनाम' कहते हैं। जैसे – जो-सो, जैसा-वैसा, जैसी-वैसी, जो-वह इत्यादि।

उदाहरण:
- जो मेहनत करेगा, उसे सफलता मिलेगी।
- जो करेगा, सो भरेगा।
- यह खेल वही खेल सकता है, जो इसमें माहिर हो।
- जो पढ़ेगा, वही आगे बढ़ेगा।

३ **विशेषण:** जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है, उसे 'विशेषण' कहते हैं। उदाहरण के तौर पर सुंदर, मुलायम, कठोर, लंबा, मीठा, तीखा, एक इत्यादि।

विशेषण के भेद

i. गुणवाचक विशेषण ii. परिमाणवाचक विशेषण iii. संख्यावाचक विशेषण
iv. सार्वनामिक विशेषण

गुणवाचक विशेषण वह शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, रंग, आकार, दशा आदि की विशेषता बताता है, उसे 'गुणवाचक विशेषण' कहते हैं। जैसे – ताजा, पुराना, स्वस्थ, सुंदर, काला इत्यादि।

उदाहरण:
- आज रमा ने नया कपड़ा पहना है।
- रजनी का दायाँ हाथ खाली नहीं है।
- गुब्बारे लाल रंग के थे।
- उसने ताजी मिठाई निकाली।

परिमाणवाचक विशेषण जिस शब्द से संज्ञा या सर्वनाम के माप-तौल या मात्रा का ज्ञान होता है, उसे 'परिमाणवाचक विशेषण' कहते हैं। जैसे – चार सेर, थोड़ी जमीन इत्यादि।

परिमाणवाचक विशेषण के दो भेद हैं:

क. **निश्चित परिमाणवाचक विशेषण:** जिस शब्द से माप-तौल की निश्चित मात्रा का बोध हो, उसे 'निश्चित परिमाणवाचक विशेषण' कहते हैं। जैसे – दस पाव, चार तोला, आठ किलो इत्यादि।

उदाहरण:
- अर्जुन ने दस हाथ जगह खरीदी।
- महावीर ने दो सेर घी की बनी पूड़ियाँ चट कर लीं।

ख. **अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण:** जिस शब्द से माप-तौल की अनिश्चित मात्रा का बोध हो, उसे 'अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण' कहते हैं। जैसे – कुछ मिठाई, थोड़ी दही, जरा-सी शक्कर इत्यादि।

उदाहरण:
- बर्तन में से बहुत दूध गिर गया।
- सारा चावल चिड़िया चुग गई।

ज्ञान-कुंभ

निश्चित व अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषणों के उदाहरणों क्रमश: 'दस हाथ जगह', 'दो सेर घी', 'बहुत दूध' व 'सारा चावल' पर यदि ध्यान दें तो पता चलता है कि परिमाणवाचक विशेषण के साथ हमेशा द्रव्यवाचक संज्ञा ही आती है, जैसे कि इन उदाहरणों में क्रमश: 'जगह', 'घी', 'दूध' व 'चावल' के रूप में आई है।

Sample Content

संख्यावाचक विशेषण वह शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम की संख्या से संबंधित विशेषता का बोध कराता है, उसे 'संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं। जैसे – चार बच्चे, कुछ मकान इत्यादि।

संख्यावाचक विशेषण के दो भेद हैं:

क. निश्चित संख्यावाचक विशेषण: जिस शब्द से निश्चित संख्या का बोध हो, उसे 'निश्चित संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं। जैसे – तीन पेड़, सात जहाज, नौ किले, ग्यारह दिन इत्यादि।

उदाहरण:
- अश्वत्थामा ने चार घोड़े खरीदे।
- वह तीस दिन तक उपवास रखेगा।

ख. अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण: जिस शब्द से अनिश्चित संख्या का बोध हो, उसे 'अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं। जैसे – कुछ फल, असंख्य दीपक, कई चोर इत्यादि।

उदाहरण:
- कुछ घर टूटे-फूटे थे।
- कई देशों ने परमाणु हथियार बना लिए हैं।

सार्वनामिक विशेषण वह सर्वनाम शब्द जो किसी संज्ञा से पहले आकर उसकी विशेषता बताता है, उसे 'सार्वनामिक विशेषण' कहते हैं। जैसे – यह, वह, इस, उस, इसकी, उसकी, मेरी इत्यादि।

उदाहरण:
- यह कुत्ता राजाराम का है।
- वह छतरी बहुत सुंदर है।
- इस गली में मेरा मकान है।
- उस घर में राजू रहता है।

यह भी जानें

सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण को पहचानने के लिए नीचे दिए गए सूत्र को ध्यान में रखें:

सर्वनाम + संज्ञा → सार्वनामिक विशेषण

(विशेषण) (विशेष्य)

यहाँ सर्वनाम विशेषण के रूप में और संज्ञा विशेष्य के रूप में होती है।

	सार्वनामिक विशेषण	सर्वनाम
१.	यह घर मेरा है।	यह घर है।
२.	वह पुस्तक मेरी है।	वह पुस्तक है।

उपर्युक्त सार्वनामिक विशेषणों के उदाहरणों पर यदि ध्यान दें तो पता चलता है कि यहाँ 'यह' व 'वह' क्रमशः किसी विशेष 'घर' व 'पुस्तक' के बारे में सूचित कर रहे हैं। इसके साथ ही इनके तुरंत बाद संज्ञा अर्थात 'घर' व 'पुस्तक' विशेष्य के रूप में मौजूद हैं। अतः ये सार्वनामिक विशेषण होंगे। इसके अलावा सर्वनाम के उदाहरणों को देखें तो पता चलता है कि यहाँ 'यह' व 'वह' क्रमशः किसी निश्चित 'घर' अथवा 'पुस्तक' के बारे में बता रहे हैं। अतः ये सर्वनाम ही होंगे।

स्वाध्याय कृतियाँ

१. निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द ढूँढ़कर लिखिए:

१. बच्चे खेलने लगे। – ----------

२. नईम ने उसे कुछ परेशान देखा। – ----------

३. उत्साह बढ़ता ही जा रहा है। – ----------

Sample Content

४. ये सब प्लास्टिक के बने हैं। – ----------

५. इनका दल बोल रहा है। – ----------

२. निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द ढूँढ़कर लिखिए:

१. वह करामत अली के मित्र की निशानी है। – ----------

२. करामत खुद थके-माँदे बूढ़े बैल की तरह आगे बढ़ने लगा। – ----------

३. कौन मानू को ससुराल पहुँचाने जा रहा था? – ----------

४. जो केवल व्यवस्था करते हैं, वे मजदूरी नहीं करते हैं। – ----------

३. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्द ढूँढ़कर लिखिए:

१. उसे हीन दृष्टि से देखते हैं। – ----------

२. उस गाय का नाम लक्ष्मी रखा था। – ----------

३. डेढ़ हाथ की बिनाई लोग देखते ही रह गए। – ----------

४. ज्ञान सिंह ने एक गाय खरीदी थी। – ----------

५. थोड़ा चिउरा और गुड़ दे दिया। – ----------

४. रेखांकित शब्दों के भेद लिखिए:

१. मुझे तुम्हें गाय नहीं बेचनी है। – ----------

२. टाँग टूटना मात्र एक घटना है। – ----------

३. इन्हें मरीज से हमदर्दी नहीं होती। – ----------

४. किसने इस विषमता की नींव रखी? – ----------

५. दंभियों का समाज आ जुटा है। – ----------

५. रेखांकित शब्दों के भेद लिखिए:

१. उनकी एक आँख पूछ रही है। – ----------

२. यह तेरा आखिरी बरस है। – ----------

३. गऊशाला दो किलोमीटर दूर है। – ----------

४. मैंने अपने-आपको एक बिस्तर पर पाया। – ----------

५. पानी ने काट-काटकर पत्थर में छेद कर दिया है। – ----------

Sample Content

बोर्ड कृतियाँ

१. अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानकर लिखिए:

१. उस आश्रम का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाए। **[मार्च २०१९]** – .....

२. मेरी पाठशाला सामने ही है। **[जुलाई २०१९]** – .....

३. श्रमजीवियों की मजदूरी एवं आमदनी कम है। **[मार्च २०२०]** – .....

४. उन्होंने टूटी अलमारी खोली। **[दिसंबर २०२०]** – .....

५. आज फिर उसे साक्षात्कार के लिए जाना है। **[मार्च २०२२]** – .....

६. गोवा देख मैं तरंगायित हो उठा। **[मार्च २०२३]** – .....

७. इस कहानी में भारतीय समाज का चित्रण मिलता है। **[जुलाई २०२३]** – .....

Sample Content

Page no. **8** to **54** are purposely left blank.

To see complete chapter buy **Target Notes** or **Target E-Notes**

Sample Content

शब्दसंपदा

११ समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द

समानार्थी शब्द: वे शब्द जो समान अर्थ प्रकट करते हैं, उन्हें समानार्थी शब्द कहते हैं। समानार्थी शब्दों को पर्यायवाची शब्द भी कहा जाता है।

उदाहरण: • जीवन – जिंदगी **[मार्च २०१९]** • ऋषि – साधु • मछली – मीन • भिक्षुक – भिखारी

उपरोक्त शब्दों के जोड़े समान अर्थ प्रकट कर रहे हैं। अत: ये सभी शब्द समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द कहलाएँगे।

नीचे दी गई समानार्थी (पर्यायवाची) शब्दों की सूची को ध्यान से पढ़िए:

शब्द	समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द
अंक	संख्या, गिनती, क्रमांक
अंकुर	कोंपल, अँखुवा, कल्ला
अग्नि	पावक, अनल, आग
अश्व	घोड़ा, बाजि, तुरंग, हय
अतिथि	मेहमान, पहुना, आगंतुक
अनाज	अन्न, धान्य, खाद्यान्न
अरण्य	जंगल, कानन, वन, विपिन
अहंकार	घमंड, दंभ, दर्प, अभिमान
आँख	नेत्र, नैन, लोचन, दृग, चक्षु
आँसू	अश्रु, स्वेद, नेत्रनीर
आकाश	आसमान, गगन, नभ, व्योम, अंबर
आदेश	हुक्म, आज्ञा
आराधना	पूजा, उपासना, वंदना
इंदु	चंद्रमा, चाँद, चंदा
इंद्र	सुरेंद्र, देवराज, महेंद्र, पुरंदर, सुरेश
इंसान	मनुष्य, मानव, आदमी
इच्छा	लालसा, कामना, चाह, मनोरथ, आकांक्षा
इनाम	पारितोषित, पुरस्कार, उपहार
उद्यान	बाग, बगीचा, वाटिका, उपवन
उन्नति	प्रगति, विकास, उत्कर्ष, उत्थान
उपकार	भलाई, नेकी, परोपकार
एकांत	सुनसान, निर्जन, सूना
एकाएक	अचानक, सहसा, एकदम, अकस्मात
ओस	तुषार, हिमकण, हिमसीकर
ओंठ	होंठ, अधर, ओष्ठ, लब
कपड़ा	अंबर, चीर, वस्त्र, पट, पोशाक
कमल	जलज, नीरज, पंकज, सरोज, राजीव
कर्ज	ऋण, उधार, देनदारी
कलश	घट, घड़ा, गागर, गगरी, मटका, कुंभ

शब्द	समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द
कर्म	काज, कार्य, कृत्य, काम
किताब	पोथी, ग्रंथ, पुस्तक
किनारा	तट, तीर, कूल
किरण	ज्योति, प्रभा, रश्मि
कृषक	किसान, हलधर, भूमिपुत्र
खग	चिड़िया, पक्षी, पंछी, पखेरु, विहंग
गज	हाथी, हस्ती, मतंग
गंगा	देवनदी, मंदाकिनी, भगीरथी, देवपगा
गाय	गौ, धेनु, गऊ
गीला	भीगा, आर्द्र, नम
घर	सदन, मकान, गृह, बसेरा, धाम
छल	दगा, फरेब, ठगी, छलावा
छात्र	विद्यार्थी, शिक्षार्थी, शिष्य
छाया	छाँव, साया, प्रतिबिंब, परछाई
जननी	माता, माँ, माई, जन्मदात्री, मैया
झंडा	ध्वज, फरहरा, पताका, निशान
ठेस	आघात, चोट, ठोकर
डर	भय, दहशत, आतंक, खौफ
तन	काया, शरीर, जिस्म, देह
तमाम	सारा, पूर्ण, पूरा
तलवार	असि, खड्ग, कृपाण
दर्द	वेदना, पीड़ा, कष्ट
दास	सेवक, नौकर, चाकर, परिचारक
दूध	दुग्ध, क्षीर, पय
धरती	पृथ्वी, धरणी, वसुधा, वसुंधरा, अवनी, धरा
ध्वनि	स्वर, आवाज, आहट
नदी	सरिता, तरंगिणी, तटिनी
नाव	नौका, तरिणी, जलयान
पत्नी	भार्या, दारा, जोरू, वामांगिनी

शब्द	समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द
पथिक	राही, राहगीर, बटोही, पंथी, मुसाफिर
पल्लव	पत्ती, पात, पर्ण
पवन	हवा, समीर, अनिल, पवमान, मारुत
पवित्र	पावन, पुनीत, शुद्ध
पहाड़	गिरि, पर्वत, भूधर, अचल
प्रलय	कयामत, विप्लव
प्रसिद्ध	प्रख्यात, विख्यात, बहुचर्चित, मशहूर
पुत्र	बेटा, तनय, सुत
पेड़	तरु, पादप, विटप, वृक्ष
फूल	कुसुम, सुमन, पुष्प
बंदर	वानर, मर्कट, कपि, हरि
बादल	मेघ, घन, जलधर, जलद, अंबुद, नीरद

शब्द	समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द
बेटी	तनया, सुता, आत्मजा, तनुजा
मृत्य	देहावसन, देहांत, मौत, निधन
युद्ध	जंग, संग्राम, रण, समर, लड़ाई
रक्त	खून, लहू, रुधिर
रवि	सूर्य, सूरज, भास्कर, आदित्य, भानु, दिवाकर
रात	रात्रि, रजनी, निशा, विभावरी, यामिनी
लक्ष्मी	कमला, रमा, पद्मा
समुद्र	सागर, रत्नाकर, उदधि, नदीश, पयोधि, जलधि
सुकून	शांति, चैन
साँप	नाग, सर्फ, भुजंग
स्वर्ण	सोना, सुवर्ण, कनक
हिरन	मृग, हरिण

स्वाध्याय कृतियाँ

१. समानार्थी शब्दों की जोड़ियाँ मिलाइए:

क्रमांक	शब्द	उत्तर	समानार्थी शब्द
१.	अश्व	----------	काया
२.	अहंकार	----------	शिष्य
३.	उद्यान	----------	किसान
४.	कपड़ा	----------	धेनु
५.	कृषक	----------	बगीचा
६.	गाय	----------	चीर
७.	छात्र	----------	घोड़ा
८.	तन	----------	दर्प

२. उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

१. ---------- बहुत तेज दौड़ता है। (साँप/हिरन)

२. ---------- कलकल करते हुए बहती है। (समुद्र/नदी)

३. ---------- देवताओं के राजा कहे जाते हैं। (इंद्र/इंदु)

४. जंगल में ---------- झूमते हुए चलता है। (खग/गज)

५. ---------- कीचड़ में उगता है। (पुष्प/कमल)

३. कोष्ठक में से पर्यायवाची शब्दों की जोड़ियाँ ढूँढ़कर लिखिए:

(किरण, कर्ज, अंक, आकाश, अनाज, उपहार, अग्नि, आदेश, ज्योति, इनाम, गिनती, ऋण, नभ, आग, आज्ञा, धान्य)

१. ---------- – ---------- २. ---------- – ----------

३. ---------- – ---------- ४. ---------- – ----------

५. ---------- – ---------- ६. ---------- – ----------

७. ---------- – ---------- ८. ---------- – ----------

४. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द कोष्ठक में से खोजकर लिखिए:

(भानु, युद्ध, पुनीत, सुत, प्रख्यात, सुमन, पादप, रात्रि)

१. रात – ---------- २. संग्राम – ----------

३. रवि – ---------- ४. फूल – ----------

५. पवित्र – ---------- ६. प्रसिद्ध – ----------

७. पुत्र – ---------- ८. पेड़ – ----------

५. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

१. पेड़ों में नए ---------- आ गए हैं। (पात)

२. ---------- के सहारे श्रीराम ने नदी पार की। (नौका)

३. वह ---------- बजरंगपुर गाँव की ओर जा रहा है। (पंथी)

४. बरसात में ---------- हरी-भरी हो गई है। (धरती)

५. जंगल में कोयल की ---------- सुनाई देती है। (ध्वनि)

६. महाराज रत्नसेन के ---------- का नाम बंशी है। (दास)

७. चोट लगने पर बहुत ---------- होता है। (दर्द)

८. गाय ---------- देती है। (दूध)

९. ---------- के चरणों में स्वर्ग होता है। (जननी)

१०. किले पर ---------- फहरा रहा है। (ध्वज)

AVAILABLE NOTES FOR STD. X:
(ENG., MAR. & SEMI ENG. MED.)

PERFECT SERIES

- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- History and Political Science
- Geography
- Mathematics (Part - I)
- Mathematics (Part - II)
- Science and Technology (Part - 1)
- Science and Technology (Part - 2)

PRECISE SERIES

- Science and Technology (Part - 1)
- Science and Technology (Part - 2)
- History, Political Science and Geography

PRECISE SERIES

- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती
- इतिहास व राज्यशास्त्र
- भूगोल
- गणित (भाग - I)
- गणित (भाग - II)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान (भाग - १)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान (भाग - २)

WORKBOOK

- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- Mathematics (Part - I)
- Mathematics (Part - II)
- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती

Additional Titles: (Eng., Mar. & Semi Eng. Med.)

- Grammar & Writing Skills Books (Std. X)
  - Marathi • Hindi • English
- Hindi Grammar Worksheets
- 3 in 1 Writing Skills
  - English (HL) • Hindi (LL) • Marathi (LL)
- 3 in 1 Grammar (Language Study) & Vocabulary
  - English (HL) • Hindi (LL) • Marathi (LL)
- SSC 54 Question Papers & Activity Sheets With Solutions
- आमोद:(सम्पूर्ण-संस्कृतम्) – SSC 11 Activity Sheets With Solutions
- हिंदी लोकवाणी (संयुक्त), संस्कृत-आनन्द: (संयुक्तम्) – SSC 12 Activity Sheets With Solutions
- IQB (Important Question Bank)
- Mathematics Challenging Questions
- Geography Map & Graph Practice Book
- A Collection of Board Questions With Solutions

Quill The Padhai App

Scan the QR code to buy e-book version of Target's Notes on Quill - The Padhai App

Explore our range of STATIONERY

Target Publications® Pvt. Ltd.
Transforming lives through learning.

Address:
B2, 9th Floor, Ashar, Road No. 16/Z,
Wagle Industrial Estate, Thane (W)- 400604

Tel: 88799 39712 / 13 / 14 / 15
Website: www.targetpublications.org
Email: mail@targetpublications.org

Visit Our Website